



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 531] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 12, 1990/अग्रहायण 21, 1912
No. 531] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 12, 1990/AGRAHAYANA 21, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1990

सं. 277-सीमाशुल्क/90

सा.का.नि. 943(अ)—केन्द्रीय सरकार सीमाशुल्क अधि-
नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह
समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक
है, इस अधिसूचना के उपाबंध में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उसका शत-प्रतिशत
निर्यातान्मुखी उपक्रम द्वारा या उसकी ओर से भारत से बाहर
निर्यात के लिए आभूषण के विनिर्माण में उपयोग के प्रयोजनों
के लिए, भारत में आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधि-
नियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के

अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से और उक्त
सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर
उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित
शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) आयातकर्ता को, जिसने प्रतिवर्ष उत्पादन के प्रारम्भ
के द्वितीय वर्ष में कम से कम पचास करोड़ रुपये
मूल्य के आभूषणों को भारत से बाहर निर्यात करने
का वचनबद्ध किया है, आभूषण के विनिर्माण
के प्रयोजन के लिए शतप्रतिशत निर्यातान्मुखी उप-
क्रम स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (2) आयातकर्ता, जहां कहीं अपेक्षित हो, भारतीय रिजर्व
बैंक द्वारा इस निमित्त जारी किए गए किसी
साधारण या विनिर्दिष्ट अनुज्ञापत्र के अंतर्गत
आता है;
- (3) आयातकर्ता को उक्त माल के आयात के लिए
आवश्यक अनुज्ञप्ति मंजूर की गई है;

- (4) आयातकर्ता, सीमाशुल्क बंधपत्राधीन और ऐसी अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए, जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, मामले को परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, आभूषण की बाबत विनिर्माण प्रक्रिया या अन्य संक्रियाएं करता है;
- (5) आयातकर्ता, 0.999 की विशुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण को भारतीय स्टेट बैंक या भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित किसी अन्य अभिकरण के माध्यम के सिवाय आयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टंकसाल, मुम्बई द्वारा, ऐसी विशुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण पर, पहचान-चिह्न मुद्रित किया गया है;
- (6) आयातकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर का यह समाधान कर देता है कि उक्त माल का उपयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए आभूषण के विनिर्माण में किया जाएगा;
- (7) आयातकर्ता, ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए और ऐसे प्राधिकारी के पास जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसा बंधपत्र निष्पादित करने के लिए करार करता है जिसमें वह विहित मूल्यवर्धन सहित निर्यात बाध्यताओं को पूरा करने और अन्य बातों के साथ-साथ इस अधिसूचना में और अनुमोदन बोर्ड द्वारा जारी किए गए अनुमोदन-पत्र या प्राणय-पत्र या औद्योगिक अनुज्ञप्ति में दी गई शर्तों का पालन करने के लिए और ऐसे स्थल पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के बराबर रकम की मांग किए जाने पर संदाय करने के लिए स्वयं को आबद्ध करता है जिसके बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं किया जाता है कि उसका निर्यात के लिए आभूषण के विनिर्माण में उपयोग किया गया है;
- (8) आयातकर्ता, उक्त माल को लाने और भारत से बाहर निर्यात के लिए आभूषण के विनिर्माण में उक्त उपक्रम के भीतर उसका उपयोग करने के लिए करार करता है;
- (9) आयातकर्ता, उक्त उपक्रम के भीतर विनिर्मित सभी आभूषण का अनुमोदन बोर्ड द्वारा बताई गई अवधि के लिए या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के लिए जो अनुमोदन बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, भारत से बाहर निर्यात करने के लिए करार करता है;
- (10) शर्त (9) में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर, निर्यातकर्ता, निम्नलिखित शुल्क का संदाय करेगा, अर्थात् :—
- (क) अवक्षयणित मूल्य पर पूंजी माल पर किंतु आयात के समय विद्यमान सीमाशुल्क की दर पर सीमाशुल्क;
- (ख) आयात के समय पर, मूल्य पर और निकासी के समय प्रयुक्त सीमाशुल्क की दर पर कच्ची सामग्री और संघटक पर सीमाशुल्क;
- (11) आयातकर्ता, माल के आयात, उपभोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को, ऐसे प्ररूप में, ऐसी रीति से, ऐसे अंतरालों पर और ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए;
- (12) आयातकर्ता यह करार करता है कि विनिर्मित आभूषण को जिसके अंतर्गत उसके अपशिष्ट, कचरा और प्रतिक्षेपण हैं, भारत में किसी अन्य स्थान पर किसी भी प्रयोजन के लिए नहीं लाया जाएगा;
- (13) उस दशा में जब कोई शतप्रतिशत निर्यातान्मुखी उपक्रम अपनी संक्रिया बंद कर देता है या उस दशा में जब उक्त उपक्रम शर्त (i) में विनिर्दिष्ट निर्यात बाध्यता का निर्वहन करने में असफल रहता है, तब आभूषण के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातु, मिश्रधातु, रत्न और अन्य सामग्री का ऐसे व्यक्ति, उपक्रम, अभिकरण या प्राधिकरण को अंतरण करेगा जिसे भारत सरकार का वाणिज्य मंत्रालय इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे;
- (14) उक्त विनिर्माण प्रक्रिया या अन्य प्रक्रियाओं में हुई स्वर्ण की हानि, जो जड़ाऊ आभूषणों की दशा में तीन प्रतिशत से और हस्तशिल्पित या मशीन निर्मित सादा आभूषणों की दशा में दो प्रतिशत से अनधिक होगी, ऐसी शर्तों को पूरा करने पर, जो सीमाशुल्क कलक्टर विनिर्दिष्ट करना ठीक समझे, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा अनुज्ञात को जा सकेगी; और टुकड़ों और जड़ाई और वैसी ही वस्तुओं की दशा में, अनुज्ञात हानि का अवधारण निर्यातित प्रत्येक टुकड़े, जड़ाई और वैसी ही वस्तु में स्वर्ण की मात्रा के भार के आधार पर किया जाएगा;
- (15) इस अधिसूचना के अधीन उक्त माल का, जो पूंजी माल से भिन्न है, आयात और निर्यात केवल मुम्बई, कलकत्ता, मद्रास, त्रिवेंद्रम और दिल्ली में सीमाशुल्क विमानपत्तन से वायु माल भाड़े द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (क) "अनुमोदन बोर्ड" से उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 14 और उसके अधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जनप्रतिष्ठित निर्यातोन्मुखी उपक्रम को अनुमोदन प्रदान करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त बोर्ड अभिप्रेत है;
- (ख) "जनप्रतिष्ठित निर्यातोन्मुखी उपक्रम" से ऐसा उपक्रम अभिप्रेत है जो अनुमोदन बोर्ड द्वारा उस रूप में अनुमोदित किया गया है।

माल का वर्णन

1. पूंजी माल
2. कच्ची सामग्री
3. संघटक
4. मशीनरी के फालतू पुर्जे
5. माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित खपने वाली सामग्री
6. विनिर्माण क्रियाकलाप के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक प्रकार की वस्तुओं के दो से अनधिक नमूने प्रोटोटाइप
7. विनिर्माण क्रियाकलाप से संबंधित आरेखन, ब्लूप्रिंट, तकनीकी मानचित्र और चार्ट
8. पैकेज सामग्री
9. औजार, जिग, प्रमापी, फिक्सचर, सांचे, डाई, उपकरण और उपसाधन
10. पुनः मरम्मत या पुनः अनुकूलन के पश्चात् पुनः निर्यात के लिए उपक्रम से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल
11. कार्यालय उपस्कर जो आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अधीन जारी की गई तारीख 30 मार्च, 1990 की खुली सामान्य अनुश्रुति आदेश सं. 27/90 के अधीन अनुज्ञेय हैं और उस माला तक जो अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुज्ञात की जाए।

[सं. 277-सीमाशुल्क/90-एफ सं. 305/46/90-एफटीटी (i)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th December, 1990

No. 277-CUSTOMS/90

G.S.R. 943(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public

interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India for the purposes of use in the manufacture of jewellery for export out of India, by or on behalf of a hundred per cent export oriented undertaking, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer, having undertaken to export out of India annually a minimum of rupees fifty crores worth of jewellery in the second year of commencement of production, has been authorised to establish a hundred per cent, export-oriented undertaking for the purpose of manufacture of jewellery;
- (ii) the importer is covered, wherever required, by a general or specific permit issued in this behalf by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence for the import of the said goods;
- (iv) the importer carries out the manufacturing process or other operations in respect of jewellery in customs bond and subject to such other conditions as the Assistant Collector of Customs may, having regard to the circumstances of the case, specify in this behalf;
- (v) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint, Bombay;
- (vi) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the said goods shall be used in the manufacture of jewellery for export out of India;
- (vii) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum and with such authority as may be specified by the Assistant Collector of Customs binding himself to fulfil the export obligation with the prescribed value addition and to fulfil, inter-alia, the conditions stipulated in this notification and in the Letter of Approval or Intent or the Industrial Licence issued by the Board of Approval and to pay on demand an amount equal to the duty of customs leviable on the said goods as are proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the manufacture of the jewellery for export;

- (viii) the importer agrees to bring the said into the said undertakings and use them within the undertaking in the manufacture of jewellery for export out of India;
- (ix) the importer agrees to export out of India all the jewellery manufactured within the said undertaking for the period stipulated by the Board of Approval or such extended period as may be specified by the Board of Approval;
- (x) on expiry of the period specified in condition (ix), the importer shall pay the following duties, namely :—
- (a) duty of customs on capital goods on depreciated value but at the rates of duty of customs prevalent at the time of import;
- (b) duty of customs on raw materials and on components on the value at the time of import and at the rates of duty of customs in force at the time of clearances;
- (xi) the importer shall maintain proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of exports made by him and shall submit such account to the Assistant Collector of Customs, in such form, in such manner, at such intervals and within such time, as may be specified by the Collector of Customs;
- (xii) the importer agrees that the jewellery, including the waste, refuse and rejects thereof, manufactured in the said undertaking, shall not be brought to any other place in India, for whatever purpose;
- (xiii) in the event of such a hundred per cent export oriented undertaking ceasing its operation or in the event of the said undertaking fails to discharge the export obligation specified in condition (i), gold, other precious metals, alloys, gems and other material for the manufacture of jewellery shall be transferred to such person, undertaking, agency or authority, as the Government of India in the Ministry of Commerce may specify in this behalf;
- (xiv) the loss of gold in the said manufacturing process or other operations, not exceeding three per cent in the case of studded jewellery and two per cent in the case of hand-crafted or machine made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as the Collector of Customs may think fit to specify and in the case of findings and mountings and the like, the loss allowed shall be determined on the basis of the weight of the gold content of each findings, mountings and the like exported;
- (xv) the import and export of the said goods, other than the capital goods, under this notification shall be allowed only by air-freight through the Customs Airports at Bombay, Calcutta, Madras, Trivendram and Delhi.

Explanation :—For the purposes of this notification, —

- (a) "Board of Approval" means the Board appointed in this behalf by the Central Government in exercise of the powers conferred by section 14 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and the rules made thereunder, for the grant of approval to a hundred per cent export-oriented undertaking;
- (b) "hundred per cent export-oriented undertaking" means an undertaking which has been approved as such by the Board of Approval.

Description of goods

1. Capital goods.
2. Raw Materials.
3. Components.
4. Spare parts of machinery.
5. Consumables required for manufacture of goods.
6. Samples prototype, not exceeding two in number, of each type of articles covered by the manufacturing activity.
7. Drawing, blue-prints, technical maps and Charts, relating to the manufacturing activity.
8. Packaging materials.
9. Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and Accessories.
10. Goods re-imported within one year from the date of exportation from the undertaking for re-export after repairs or re-conditioning.
11. Office Equipments, as permissible under the Open General licence Order No. 27/90, dated 30th March, 1990, issued under section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and to such extent as may be allowed by the Board of Approval.

[No. 277-Customs/90-F. No. 305/46/90-FTT(i)]

सं. 278-सीमाशुल्क/90

No. 278-CUSTOMS/90

सा.का.नि. 944(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1990 (1990 का 12) की धारा 64 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 180/90-सीमाशुल्क, तारीख 31 मई, 1990 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 280 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"281. सं. 277-सीमाशुल्क तारीख 12 दिसंबर, 1990"

[सं. 278-सीमाशुल्क/90-एफ.सं. 305/46/90-एफ.टी.टी.(ii)]
एल. जयशेकर, अपर सचिव

G.S.R. 944(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 64 of the Finance Act, 1990 (12 of 1990), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 180/90-Customs, dated the 31st May, 1990, namely:—

In the Schedule to the said notification, after S. No. 280 and the entry relating thereto, the following S. No. and entry shall be inserted, namely:—

"281. No. 277-Customs, dated the 12th December, 1990".

[No. 278-Customs/90-F. No. 305/46/90-FTT(ii)]
L. JAYASEKAR, Under Secy.

